सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

SURYA FOUNDATION

चयनित आदर्श गाँव

लोनाँव – गोरखपुर (उ.प्र.)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर– PDC

✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।

✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।

✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।

✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।

✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।

✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।

✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।

✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**– तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी–पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

आदर्श गाँव की ओर बढ़ता : लोनाँव गाँव

शरद त्रिपाठी
पूर्व सांसद
संत कबीर नगर

मैं सूर्या फाउण्डेशन को बधाई देता हूँ, गोरखपुर क्षेत्र में सूर्या संस्कार केन्द्र व सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से बच्चों में संस्कार देने और युवाओं में नई ज्योति जलाने का कार्य कर रही है। लोनाँव गाँव का सात दिवसीय **व्यक्तित्व विकास शिविर** समापन समारोह का यह अत्यन्त मनोरम एवं प्रभावकारी कार्यक्रम यह दर्शाता है कि सूर्या फाउण्डेशन द्वारा समाज में एकता, समरसता एवं समाज के प्रति अच्छी सोच की नींव डाली जा रही है जो गाँधी जी के सपनों को साकार करेगी। इसके लिये मैं जयप्रकाश जी को धन्यवाद देता हूँ।

गाँव लोनाँव में हुए सेवा कार्य

- गाँव के 20 कार्यकर्ता अभी तक सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से अब तक 350 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से अब तक 180 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- गाँव के 80 घरों में पोषण–वाटिका बनीं है। जैविक व ताजी सब्जी घर में ही मिल जाती है।
- वर्ष 2016 से अब तक लगभग–10,000 पौधे लगाए गए। जिससे फलदार पौधों से आय भी होने लगी है।
- संस्कार केन्द्र में आने वाले बच्चों के रहन–सहन, व्यवहार, बोलचाल में सुधार दिखता है।
- सूर्या संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से श्रमदान द्वारा पूरा गाँव साफ दिखता है।
- महिला सशक्तिकरण के लिये सूर्या स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है।
- गाँव में शराब व नशा की कोई वस्तु नहीं बिकती है।
- गौ–पालन के प्रति जागरूकता बढ़ी है, सभी परिवारो में गाय पालन बढ़ा है।
- जातिगत भेदभाव में कमी आई है प्रतिदिन मंदिर में सामूहिक भजन–कीर्तन होती है।
- गाँव में वार्षिक राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होता है। जिसमें देशभर के पहलवान भाग लेते हैं।
- गाँव में होने वाले झगड़ों का समाधान गाँव में ही बैठक कर सुलझाते हैं।
- स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय का निर्माण। सभी घरों में शौचालय का प्रयोग (100%) होता है।
- किसान गोष्ठी–250 (किसान), पशु टीकाकरण–100 (पशु), स्वास्थ्य शिविर–200 (मरीज) लाभान्वित हुए।
- गाँव के सभी लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया है।

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

अनुभव कथन

दान बहादुर राय
(शिक्षक)

मैं दान बहादुर राय अपने गाँव लोनाँव में संस्कार केन्द्र चलाता हूँ। केन्द्र पर कक्षा एक से आठ तक के 30 बच्चे (भैया-बहन) पढ़ने आते हैं। केन्द्र चलाने से मेरे समय का सदुपयोग होता है। मेरे संस्कार केन्द्र पर सभी वर्ग के बच्चे आते हैं, केन्द्र के चलने से सभी भैया-बहनों में संस्कार आया है, जिसमें प्रतिदिन वन्दना, प्रातः स्मरण, हरे-कृष्णा बोलने का अभ्यास सभी बच्चों को हो गया है। गाँव में अपने से बड़े-बुजुर्गों से हरे कृष्णा सम्बोधन करते हैं, माता-पिता के पैर छूते हैं और बड़ों की बात मानते हैं ये विशेष गुण बच्चों में देखने को मिल रहे हैं।

प्रत्येक रविवार को गाँव के मंदिर और सड़कों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है जिसमें सभी बच्चे अपने घर के सामने के रास्ते, सड़क, मंदिर परिसर को साफ करते हैं। केन्द्र पर आने वाले बच्चे हमेशा मुस्कुराते हैं। माह में एक बार सभी बच्चों के घर पर सम्पर्क करके संस्कारों मे हुए सुधार की जानकारी लेते हैं। केन्द्र के माध्यम से हम स्वयं कर्तव्यनिष्ठ हुए हैं।

आँचल (कक्षा-8)
संस्कार केन्द्र

मेरा नाम आँचल है मैं कक्षा 8 की विद्यार्थी हूँ। सूर्या संस्कार केन्द्र में पढ़ने जाती हूँ। मुझे पहले गीत नहीं आता था, सूर्या संस्कार केन्द्र में जाने से झिझक दूर हुई, और अब अच्छा गाना गा लेती हूँ। सूर्या संस्कार केंद्र पर अब गीत प्रमुख हूँ, पहले मैं स्कूल के प्रोग्राम में हिस्सा नहीं लेती थी, अब विद्यालय में होने वाले नाटक-कला में हिस्सा लेती हूँ। पढ़ाई के साथ-साथ मैं अपना काम स्वयं समय से करती हूँ। सभी बड़ों का सम्मान उनकी आज्ञा का पालन ये सारी अच्छी बातें मैंने अपने केन्द्र पर सीखी है।

साक्षी (कक्षा-7)
संस्कार केन्द्र

मैं सूर्या संस्कार केन्द्र में प्रतिदिन पढ़ने जाती हूँ। मैं पहले स्कूल की कक्षा में सबसे पीछे बैठती थी और यदि गुरू जी प्रश्न करते थे तो मैं डरती थी, उत्तर नहीं दे पाती थी। जब से मैं सूर्या संस्कार केन्द्र पर आने लगी हूँ तब से मेरे अन्दर यह डर दूर हुआ है, गुरु जी द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सही से देती हूँ। मुझे 20 तक पहाड़ा अच्छी तरह याद हो गया है। मैंने केन्द्र पर गीत सीखा, प्रतिदिन जोड़-घटाना, गुणा-भाग के अभ्यास से मुझे गणित के सवाल भी आने लगे हैं। मैं अब समय का पालन करने लगी हूँ।

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

अनुभव कथन

सूरज राय
(शिक्षक)

सूर्या साधना स्थली झिंझौली जाकर मुझे आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर करने का मौका मिला। जिसमें मैंने समय-पालन करना सीखा। योग, व्यायाम, गाँव के हित में अच्छी-अच्छी बातें सीखी जो हमारे जीवन में अत्यन्त उपयोगी हैं। वहाँ से आने के बाद मैंने अपने गाँव में युवाओं को एकत्र किया और सूर्या यूथ क्लब पर योग व्यायाम कराना शुरू किया। अब सूर्या यूथ क्लब में प्रतिदिन वॉलीवॉल खेला जाता है जिसमें 18 से 20 भैया खेलने आते हैं। सभी भैया 15 मिनट बैठ कर गीत अभ्यास तथा गाँव के बारे में चर्चा करते हैं।

हम लोग प्रतिदिन दौड़ करते हैं। साथ में शाखा भी लगाते हैं। हमारे सूर्या यूथ क्लब के सभी युवा प्रत्येक रविवार को मिलकर गाँव की सफाई करते हैं। जिसमें सड़क, गाँव के मंदिर, नालियाँ, पंचायत भवन आदि स्थानों की सफाई करते हैं। इसमें गाँव के सभी लोग सहयोग करते हैं और युवा टोली की प्रशंसा भी करते हैं। नियमित श्रमदान करने से गाँव साफ-सुथरा दिखता है।

अमित कुमार
यूथ क्लब खिलाड़ी

नियमित सूर्या यूथ क्लब में आने से मेरी वॉलीवॉल और कबड्डी में रुचि बढ़ी है, विद्यालय में होने वाले वॉलीवॉल प्रतियोगिता में मुझे इस वर्ष खेलने का मौका मिला। पहले मैं बहुत सुस्त रहता था, परन्तु केन्द्र में आने से मेरे अन्दर बहुत फुर्ती आई है, कई अच्छी आदतें बनी हैं। पहले मैं सुबह देर तक सोता था अब मैं सुबह जल्दी उठता हूँ और सुबह दौड़ने जाता हूँ। शरीर का पसीना निकलने से शरीर स्वस्थ रहता है यह बात मैंने स्कूल में सुना था अब अनुभव कर रहा हूँ।

नशा छोड़ स्वरोजगार की ओर

मैं काम के लिए कई शहरों में गया परन्तु मुझे मेरी रुचि के अनुसार काम नहीं मिला। दो वर्ष तक मुझे दुबई में रहने का मौका मिला। मैं नशा बहुत करता था। जब मैं गाँव आया और सूर्या फाउण्डेशन से सम्पर्क हुआ तो मैंने नशा करना छोड़ा और गाँव में ही रहकर व्यवसाय करने की प्रेरणा मिली। मैंने बेलीपार प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर जाकर "बकरी पालन" का प्रशिक्षण लिया इसके बाद गाँव में आकर बकरी पालन का काम शुरू किया। शुरुआत में 10 बकरियाँ थी और आज मेरे पास 48 बकरियाँ हैं। – अजय राय

बकरी पालन

लोनाँव गाँव में चल रहे कार्यक्रमों की झलकियाँ

नशामुक्ति रैली

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

सूर्या यूथ क्लब पर वॉलीवॉल खेलते हुए

सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

वृक्षारोपण कार्यक्रम

 पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ दस पुत्र समान

खेलो खेल, बनो निरोग

हरित गाँव सुन्दर गाँव – लोनाँव

दान बहादुर राय

एक ऐसा गाँव जहाँ प्रवेश करते ही पेड़ों से हरा-भरा वातावरण मिलता है, गाँव में जाकर मन प्रसन्न हो जाता है। गाँव की सड़कों के दोनों किनारों और खेतों में किसानों नें गाँव की हरियाली का ध्यान रखते हुए वृक्षारोपण किया है। जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है। पर्यावरण पूरी तरह शुद्ध हो तो गाँव में प्रसन्नता और समृद्धि स्वाभाविक है। लोनाँव गाँव के लोगों ने मिलकर अपने गाँव को इसी प्रकार बनाया है। वर्ष 2015 में गाँव के कार्यकर्ताओं ने मिलकर वृक्षारोपण महाभियान चलाया जिसका परिणाम आज हम सबके सामने है। अब पेड़ गर्मी से बचने के लिए छाया देते हैं और खाने के लिए फल देते हैं, गाँव सुन्दर दिखता है। गाँव के किसानों नें मिलकर कुल 10000 वृक्षारोपण किया। इसके लिए संस्था ने गाँव के दान बहादुर राय जी को सम्मानित भी किया है।

सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

खशबू गौड़
(शिक्षिका)

मुझे माह सितम्बर 2018 में सिलाई शिक्षिका हेतु सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना की ओर से चयनित किया गया। मैं प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से 01 बजे तक सिलाई सिखाती हूँ। हमारे केन्द्र पर ऐसी बहनें आती हैं जिनका सिलाई सीखने का बहुत मन होता है पर वे आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण महँगी सिलाई की कोचिंग नहीं कर पाती थी। अब वे बहनें हमारे केन्द्र पर निःशुल्क सिलाई सीखती है। ऐसा करने पर मुझे स्वयं प्रशन्नता होती है।

छः बहनें है जिन्होंने अपना कपड़ा और अपने परिवार के सभी कपड़े स्वयं ही सिलना सीख लिया है। उनके सिलाई का पैसा बचता है। सिलाई केन्द्र चलाने से मेरे स्वयं के गुणों में विकास हुआ है, झिझक दूर हुई है और मिलने वाले मानधन से मेरी आगे की पढ़ाई चल रही है।

मैं रागिनी राय सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में सिलाई का प्रशिक्षण ले चुकी हूँ। मुझे ब्लाउज, पेटीकोट एवं सूट सिलने का हुनर सीखने को मिला। मैंने नियमित रूप से छः माह सिलाई सीखी है। अब मैं अपने घर पर सिलाई का काम करती हूँ। जिससे मैं अपने घर के कपड़े सिलती हूँ और गाँव की अन्य महिलाओं के भी पेटीकोट, ब्लाउज की सिलाई करती हूँ इससे मेरा व्यक्तिगत खर्च निकल आता है। मैं इस काम से बहुत खुश हूँ, क्योंकि मेरे समय का उपयोग अच्छे काम में होता है।

गाँव में स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण हेतु स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ स्वावलंबी बनें। साथ ही गाँव के प्रतिष्ठित, सम्मानित व सेवा कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित कर उन्हें गावों में संचालित गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हैं। वे गार्जियन के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। और जैविक खेती करते हैं। ऐसे ही कुछ सदस्यों के **अनुभव कथन**

स्वयं सहायता समूह (SHG)

वीरा देवी
अध्यक्ष : सूर्या स्वयं सहायता समूह

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के प्रयास से हमारे गाँव लोनाँव में स्वयं सहायता समूह खोला गया। जिसमें 14 महिलाओं की एक बैठक की गई, स्वयं सहायता समूह के बारे में विस्तार से बताया और सभी की सहमति के पश्चात सूर्या स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। ब्लॉक में रजिस्टेशन कराया गया तथा बैंक में खाता खोला गया। नियमित मासिक बैठक करके सभी लोग 100 रुपये प्रतिमाह जमा करते हैं। समूह की कोषाध्यक्ष श्रीमती पाना देवी के माध्यम से बैंक में जमा किया जाता है। बैठक में और भी विषयों पर चर्चा की जाती है। हमारा उद्देश्य पशु-पालन करके जीविका को सुदृढ़ बनाना तथा खुद के पैरों पर खड़ा होना है। समूह के माध्यम से गाँव के निर्धन लोगों को जोड़ना और उन्हें रोजगार देना यह हमारा लक्ष्य है, जिससे हम सभी की आय में बढ़ोत्तरी हो और गाँव में एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना बढ़े। साथ ही हमारे गाँव का नाम भी बढ़े।

सेवाभावी : जैविक किसान

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा मेरे गाँव में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मैं उपस्थित रहा कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक श्री संजय पटेल जी ने बताया कि जैविक खेती करने से बहुत सारे लाभ होते हैं। जैविक अनाज खाने से बीमारियाँ नहीं होती हैं रासायनिक खाद पर खर्च होने वाला पैसा बचता है जैविक खेती में उपयोग होने वाली खाद हम स्वयं गोबर-गोमूत्र से बना सकते हैं। मैंने घर के पास की जगह में जैविक खाद का उपयोग करके सब्जियाँ उगाई हैं, जो पूरी तरह जैविक हैं। इनमें कोई रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं किया है। इससे हमारे परिवार को शुद्ध ताजी सब्जी मिल जाती हैं। अभी गोभी, टमाटर, मटर, पालक, धनिया आदि बोया हुआ है। यह छोटा सा प्रयोग है और आगे हम अपने खोतों में भी जैविक खेती एक बड़े पैमाने पर करेंगे। जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए संस्था को धन्यवाद देता हूँ।

झिनक राय
जैविक कृषक

बदलाव की ओर बढ़ता लोनाँव गाँव

भारतवर्ष के उत्तर प्रदेश में बाबा गोरक्षनाथ एवं भगवान गौतम बुद्ध की नगरी गोरखपुर से 35 किलोमीटर की दूरी पर पहलवानी के लिए जाना जाने वाला गाँव लोनाँव अपने आस-पास के गाँव के लिए आज एक रोल-मॉडल बन कर उभरा है।

विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, समरसता, स्वच्छता से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया गया। 120 परिवारों वाला छोटा सा गाँव जिसमें माँ सिद्धेश्वरी, झारखण्डी, भोले शंकर आदि देवी-देवताओं के कुल 5 पवित्र स्थान हैं। जहाँ पर गाँव के लोग बड़ी श्रद्धा से पूजा पाठ करते हैं। प्रत्येक मंगलवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ किया जाता है।

गाँव में कूड़ा कचरा नहीं रहता, 2019 में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ादान की व्यवस्था की गई। प्रतिवर्ष कुश्ती प्रतियोगिता कराई जाती है। जिसमें देश के कई राज्यों से नामी पहलवान भाग लेते हैं। गाँव में 90 परिवारों में पशुधन हैं, जिससे जैविक कृषि को बल मिल रहा है। गाँव में बकरी पालन एवं दुग्ध डेयरी का भी काम शुरू किया गया है। गाँव के अन्दर नशा का कोई भी सामान नहीं बिकता है।

जल संरक्षण हेतु दो बड़े तथा चार छोटे तालाब बनाए गए हैं। गाँव में समरसता के लिए वर्ष में दो बार सहभोज कार्यक्रम किया जाता है। गाँव में होने वाले झगड़ों को गाँव में बैठक करके समाधान किया जाता है।

रामकोमल गौड़
सेवा कार्यकर्ता : लोनाँव

- **120** परिवार
- **1485** जनसंख्या
- **05** मन्दिर
- **02** स्कूल 5वीं एवं 8वीं

सेवा कार्यों में लगे कार्यकर्ता

क्रम	नाम	दायित्व	मोबाइल
1	अजय खरसन	क्षेत्र प्रमुख	9452107109
2	रामकोमल गौढ़	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	7905091388
3	दानबहादुर	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9695961162
4	सूरज कुमार राय	यूथ क्लब शिक्षक	9794208681
5	खुशबू देवी	सिलाई शिक्षिका	9005973226
6	विश्वनाथ राय	सेवाभावी	9839427070
7	रामजीत राय	सेवाभावी	9621774387
8	बैजनाथ	सेवाभावी	9935923537
9	जवाहरलाल	सेवाभावी	9198749738
10	सुदामा प्रसाद	सेवाभावी	9794042789
11	शिवनाथ	सेवाभावी	9695503489

बदलती लोनाँव गाँव की दृष्टि

– सूर्या फाउण्डेशन

अजय खरसन
क्षेत्र प्रमुख : गोरखपुर

लोनाँव गाँव में जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है यह अपने आप में बहुत अलग है। आज इस गाँव में बहुत बदलाव देखने को मिलता है जिसमें शिक्षा, संस्कार, समरसता, स्वच्छता, स्वालम्बन, नशामुक्ति आदि मुख्य हैं। गाँव मे लोग सफाई के प्रति जागरूक नहीं थे, गलियों में पानी जमा रहता था, सूर्या फाउण्डेशन ने सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाकर गाँव वासियों को जागरुक करने का काम किया। आज हर एक परिवार के लोग अपने घर के सामने की सड़क को साफ रखते हैं। गाँव में प्रत्येक वर्ग की माताएँ–बहने स्वयं सहायता समूह और सिलाई केन्द्र के माध्यम से स्वालम्बन के कार्यो में रुचि दिखाते हुए आगे बढ़ रही हैं।

पर्यावरण व जैविक खेती के लिए किसान रुचि ले रहे हैं। बच्चों व युवाओं ने लोनाँव में उत्साह दिखाकर, एक जुट होकर गाँव को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया। गाँव निवासी अजय राय जिनका नशा करके घूमना व्यवहार में था, वे आज नशा छोड़कर स्वयं बकरी पालन करने लगे हैं। गाँव के किसी भी दुकान पर आपको नशा की वस्तुएँ नहीं मिलेंगी। गाँव में सभी बदलाव सूर्या फाउण्डेशन के मार्गदर्शन, संस्कार केन्द्र के बच्चे, यूथ क्लब के युवा एवं गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के प्रयासों से सफल हो पाया है। यह गाँव **"मेरा गाँव सुन्दर गाँव"** की ओर बढ़ रहा है।

गाँव आदर्श बनाने हेतु मुख्य आधार बिन्दु

1. **शिक्षा**– गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**–योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान–पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**–स्व–सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**–गाँव, घर साफ–सुथरा हो, घर–घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**–सभी जाति, वर्ग के लोग मिल–जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**– नर सेवा–नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**–सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**–युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

समाचार पत्रों में लोनाँव गाँव की झलकियाँ

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

गांव के बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया प्रतिभाग, पुरस्कृत हुए

अमर उजाला ब्यूरो

पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

उनवल। खजनी तहसील के बारीगांव में सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ, जिसमें आसपास के गांव के बच्चों और युवाओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान क्रिकेट में बेलमा, वॉलीबॉल में बारीगांव की टीम विजेता रही। एक किलोमीटर दौड़ में विशाल प्रथम, मंजीत द्वितीय और अजय तृतीय स्थान पर रहे। कबड्डी में दीघोरि की टीम विजेता रही। छात्राओं में बेस्ट कैंपर साक्षी ने हासिल किया। इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा के जिला मंत्री जगदीश चौरसिया, अजय, आयोजक सूर्या फाउंडेशन के प्रमुख सूर्यवंशी, कुलदीप शर्मा, रामशबद, रामकोमल, सुभाष, उमेश प्रताप, अशोक सिंह, शत्रुघ्न सिंह, लालजी, मंजीत, राहुल, मनीष मौजूद थे।

विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

हरनही। खजनी ब्लॉक के बारी गांव में सोमवार को सात दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता का समापन सूर्या फाउंडेशन ने किया था। श्रीमती बसंती देवी जयमुर इंटर कॉलेज बरिगांव में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। मुख्य अतिथि विंध्याचल आजाद रहे। इस मौके पर विकास विश्वकर्मा, अजय सूर्यवंशी, रामकोमल, बेनीमाधव यादव, दुर्गेश पटवा, बेचन प्रसाद, अशोक , शंकरलाल, रामशबद, शत्रुघ्न, राहुल, मनीष आदि मौजूद रहे।

जज्बा | लोनाव गांव में चार पीढ़ी से हो रहा अखाड़े का संचालन

यहां युवाओं की पहली पसंद है कुश्ती

राजेश शर्मा

धुरियापार। बांसगांव तहसील क्षेत्र के लोनाव गांव में कई दशक संचालित अखाड़े में मल्ल युद्ध का प्रदर्शन आज भी देखा जा सकता है। इस अखाड़े के आसपास के दर्जनों गांवों के युवाओं की पहली पसंद कुश्ती है। वर्तमान में लगभग 78 युवा पहलवान प्राचीन कला कुश्ती के दांव पेंच राष्ट्रीय पहलवान अरविंद राय के सानिध्य में सीख रहे हैं। इतना ही नहीं इस अखाड़े के पहलवान देश विदेश में जिले का नाम रौशन करने के साथ ही कई सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं भी दे रहे हैं।

इस अखाड़े के बारे में यह कहा जाता है कि उनवल स्टेट के राजा के यहां एक पहलवान ने घोषणा की थी कि उसे कोई नहीं हरा सकता। इस पर बांसगांव के बैदौली निवासी बख्तावर राय ने इस चैलेंज को स्वीकार करते हुए उसे जबरदस्त पटकनी दी थी। इससे खुश होकर उन्होंने बख्तावर राय को पांच गांव ईनाम में दिया था। जिसमें उन्होंने लोनाव गांव को ही लेकर कुश्ती की

प्रतिदिन अखाड़े पर दांवपेंच सीखने आते हैं युवा।

कला को सीखने लगे। उनके बाद उनकी विरासत को कुंज बिहारी राय, रामधनी राय, श्यामराज राय, रामसूरत राय के बाद अब अरविंद राय उर्फ बिट्टू राय अपने पूर्वजों की विरासत को संभाल रहे हैं।

अखाड़े के संचालक राष्ट्रीय पहलवान बिट्टू राय ने बताया कि यहां पर महदेवा बाजार, शैरो, टिकरिया, धुसवा, कटवर, माल्हनपार, भिटहा पांडेय, डंडवा चतुर, लोनाव, पगार सहित अन्य गांव के युवा प्रतिदिन अखाड़े में कुश्ती के दांव पेंच सीख रहे हैं।

सूर्याफॉउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने संकट में गाँव को नशा मुक्ति करने का लिया संकल्प

बांसगांव। इस समय पूरा विश्व कोरोना वायरस जैसे वैश्विक महामारी से जूझ रहा है , इस वैश्विक महामारी से हमारा देश व प्रदेश भी अछूता नही है। पूरे देश में लाकडाउन की स्थिति बनी हुई है। इस विकट परिस्थिती में विकासखंड बांसगांव के ग्राम लोनाव की जनता ने इस महामारी को समस्या नही बल्कि एक अवसर समझ कर अपने गाँव को नशामुक्ति का संकल्प लिया !

विगत दो वर्षो से सूर्या फॉउंडेशन के सेवाभावी ,कार्यकर्ता व गाँव के युवाओं ने अपने गाँव को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया था ! उस संकल्प को धरातल पर एक स्वरूप प्रदान करने के लिए ग्रामीणों ने जिसे एकजुट होकर जागरूकता के माध्यम से इस कार्य को करने का संकल्प लिया

सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने जो अपने गाँव के भविष्य के लिए कुछ करने पर एकता समरसता का जो लिया है वह अन्य गाँवो के लिए एक मिसाल है !

इस अवसर पर सूर्या फॉउंडेशन कार्यकर्ता अजय सूर्याविंशी, रामकोमल गोड़, रामशबद, दान बहादुर राय,सूरज राय, ग्राम प्रधान अरविंद उर्फ बिट्टू राय, गीता राय व अन्य लोगों उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने लोनाव गांव को बनाया नशा मुक्त

हरनही। सूर्या फाउंडेशन की पहल पर खजनी तहसील के लोनाव गांव को नशा मुक्त करने का दावा किया गया। संस्था के अजय सूर्यावंशी, रामकोमल गोंड़, रामशबद, दान बहादुर राय एवं सूरज राय ने बताया कि गांव की जनता ने कोरोना महामारी को समस्या नहीं अवसर समझकर गांव को नशा मुक्त कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि दो वर्षों से बुजुर्ग, युवा और बच्चों ने अपने गांव को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया था जिसे एकजुट होकर सफल कर दिया। शनिवार को ग्रामीणों ने गांव में जनजागरण रैली निकाली।

कहा गया कि गांव में पहले कई दुकानों में नशीली वस्तुएं बिकती थीं लेकिन अब पूरी तरह से बंद हो गया है।

गांव के लोगों में व्यक्तिगत बदलाव आने लगा है। इस कार्य में अरविंद उर्फ बिट्टू राय, ग्राम प्रधान गीता राय व अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

सूर्या फाउंडेशन द्वारा 6.25 करोड़ पौधरोपण अभियान के अंतर्गत डांगीपार के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पौधे लगाए गए। ग्राम प्रधान गिरीश चंद्र सिंह एवं विद्यालय के शिक्षक प्रह्लाद ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाएं।

सूर्या फाऊंडेशन के क्षेत्र प्रमुख अजय कुमार सूर्यवंशी, शिक्षक इंद्रजीत मौर्या एवं विद्यालय के बच्चे भी इस अभियान में शामिल हुए। फाऊंडेशन के प्रमुख ने बताया कि सामाजिक संस्था सूर्या फाऊंडेशन आदर्श ग्राम योजना, व्यक्तित्व विकास शिविर, पर्यावरण संरक्षण, इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गनाइजेशन, प्राकृतिक चिकित्सा, थिंक टैंक विषयों पर कई वर्षों से कार्य कर रही है।